The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 3 Volume - 3

September - November 2022

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 3 अंक | 3

सितंबर– नवंबर, 2022

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

बलिया (उ०प्र०)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 3 Volume - 3
September - November 2023

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 3 अंक | 3 सितम्बर–नवम्बर, 2022

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	शिक्षक सम्मान समारोह	3
2.	पोषण जागरूकता विषयक ...	3
3.	हिंदी महोत्सव का आयोजन...	3–4
4.	पं0 दीनदयाल उपाध्याय...	5
5.	'गांधी वर्तमान संदर्भ में...	5–6
6.	अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस...	6
7.	गांधी जयंती पर श्रमदान....	6–7
8.	आर्थिक एवं वित्तीय साक्षरता....	7–8
9.	भारतीय समाजकार्य दिवस...	8
10.	व्यावसायिक शिक्षा, कौशल...	9
11.	विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा....	9
12.	व्यावसायिक कौशल...	10
13.	संविधान दिवस का...	10–11
14.	संयुक्त राष्ट्र संघ....	11
15.	अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीडा...	11–12
16.	अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक...	13–14
17.	राष्ट्रीय सेवा योजना...	14–15
18.	A National Webinar on ...	15
19.	A National Webinar on ...	15–16
20.	Report : International ...	16–18

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 कल्पलता पाण्डेय
कुलपति

संपादक
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 सरिता पाण्डेय
डॉ0 संदीप यादव
डॉ0 प्रवीण नाथ यादव
डॉ0 अभिषेक मिश्र

सम्पादक की कलम से...

शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं सामुदायिक सहभागिता विश्वविद्यालय के मुख्य कार्य होते हैं। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020' में भी विद्यार्थियों के कौशल विकास पर बहुत बल दिया गया है। यह एक सुखद अनुभूति है कि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ने अपने आरंभिक काल में ही कौशल विकास और शिक्षक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया है। इन दोनों ही क्षेत्रों में विश्वविद्यालय को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' मिले हुए हैं। ग्रामीण विकास में मिले 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं के उन्नयन हेतु निरंतर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसके अंतर्गत सिंहोरा, बिंदी, कृत्रिम आभूषण, मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देने के साथ ही महिलाओं को बेसिक अकाउंटिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसी क्रम में शिक्षक प्रशिक्षण उत्कृष्टता केंद्र द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट के अंतर्गत 'आर्थिक एवं वित्तीय साक्षरता' पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन भी इसी अवधि में हुआ। 'सृजन 2022– 23' के अंतर्गत गायन, वादन, नृत्य, नाटक, निबंध, भाषण आदि की प्रतियोगिताओं द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के रचनात्मक एवं कलात्मक पहलुओं को उजागर करने का कार्य किया गया। जबकि एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबाल, हाकी, बैडमिंटन, शतरंज, शूटिंग आदि खेलों के आयोजन द्वारा विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा तो सामने आयी ही, साथ ही उन्हें प्रतिस्पर्धी वातावरण में अपने को निखारने और साबित करने का हुनर भी मिला।

'लिविंग लिजेंड्स ऑफ बलिया' फोरम द्वारा बलिया के समग्र विकास को समर्पित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय की एक विशिष्ट उपलब्धि के रूप में रेखांकित किए जाने योग्य है। जिसके अंतर्गत बलिया की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत, बलिया की आधारभूत अवसंरचनाओं के विकास, बलिया की कृषि–आर्थिक एवं जलवायु संबंधी परिवर्तन एवं बलिया के शैक्षणिक परिदृश्य जैसे विषयों पर देश – विदेश के ख्यातिलब्ध विशेषज्ञों द्वारा विचार – विश्लेषण करने के साथ ही भविष्य के लिए कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गयी। इस सम्मेलन द्वारा वैज्ञानिकों, नीति निर्धारकों, अकादमिक विशेषज्ञों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों को एक मंच पर एकत्र किया गया। निश्चय ही ऐसे आयोजनों से जनपद के विकास की कार्ययोजना बनाने में मदद मिलेगी। इस दिशा में किया गया विश्वविद्यालय का यह प्रयत्न आगे सार्थक परिणाम देगा, ऐसा हमें विश्वास है।

विश्वविद्यालय के आयोजनों को सुधी पाठकों तक पहुँचाने का एक प्रयत्न हमने इस अंक में किया है। आप पाठकों से हमें विचार – विनिमय की अपेक्षा है ताकि हम विश्वविद्यालय और जनपद के विकास के लिए और बेहतर कार्य कर सकें।

सम्पादक

शिक्षक सम्मान समारोह

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ0 रूबी के भजन से हुआ। भजन के बोल थे–'हर देश में तू हर वेश में तू, तेरे नाम अनेक'। डॉ0 प्रियंका सिंह ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि कुलपति के संरक्षण में इस विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए हम संकल्पित हैं। निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की सर्वोच्च मुखिया के नेतृत्व में यह विश्वविद्यालय ज्ञान और निर्माण की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में हेमवतीनंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 लल्लन सिंह जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं इस विश्वविद्यालय के एक सदस्य के रूप में कार्य करूँगा और इस विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए सतत प्रयत्नशील रहूँगा। डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव ने कहा कि आज के दिन हर उस व्यक्ति को शिक्षक मानना चाहिए जिससे हमें जीवन में कोई सीख मिली हो। डॉ0 आर0 पी0 राघव ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई दी और सभी को अपने कर्तव्यों और अधिकारों की ओर उन्मुख होने के लिए प्रेरित किया।

सतीश चन्द्र कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ0 रामशरण पाण्डेय ने कहा कि डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। सहायक आचार्य विवेक कुमार यादव ने शिक्षक दिवस के संदर्भ में अपने विचारों को साझा किया। अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 नीरज सिंह ने स्वरचित कविता का वाचन किया। अध्यक्षीय व्यक्तव्य में कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने गुरु वन्दना से अपना उद्‌बोधन आरम्भ किया और कहा कि मेरे लिए सत्य पहले और आत्मरक्षा बाद में है। उन्होंने कहा कि हर अध्यापक के भीतर एक चाणक्य है और उसे चन्द्रगुप्त को तराशना है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अजय चौबे ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता पाण्डेय और डॉ0 तृप्ति तिवारी ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर के अकादमिक और प्रशासनिक सदस्य उपस्थित रहे।

पोषण जागरूकता विषयक कार्यशाला का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस क्रम में 7 सितंबर को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत गृह विज्ञान की छात्राओं में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए खेल विधि से इसके विभिन्न घटकों जैसे–पोषण, पोषक तत्वों के अनुसार खाद्य पदार्थों का चयन, सुरक्षित भण्डारण, आहार में खाद्य वस्तुओं की मात्रा का चयन इत्यादि के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को स्वास्थ्य और पौष्टिक भोजन के बारे में शिक्षित और जागरूक करना था। जिसमें गृह विज्ञान विभाग के सभी सहायक आचार्यों एवं छात्राओं ने सहभाग किया। सहायक आचार्य सुश्री सौम्या ने विभिन्न फल और सब्जियों में उपस्थित पौष्टिक तत्वों जैसे विटामिन, मिनरल और फाइबर कंटेंट आदि का जिक्र करते हुए उसके लाभ और रोग होने की दशा में उन फलों के सेवन से होने वाले फायदों के बारे में बताया। सहायक आचार्य डॉ0 संध्या के द्वारा मानव स्वास्थ पर पड़ने वाले पौष्टिक आहार के महत्त्व और उसकी भूमिका को विस्तार से बताया गया। आपने पौष्टिक आहार को अपने जीवन में अपनाने तथा पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार को अपनाने पर बल दिया। डॉ0 रंजना ने यह बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है और शरीर तभी स्वस्थ रहता है जब हम संतुलित आहार लेते हैं। अतः संतुलित आहार हमारे जीवन में बहुत ही लाभदायक और महत्त्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। डॉ0 तृप्ति तिवारी ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

हिंदी महोत्सव का आयोजन

दिनांक 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। एनसीईआरटी, नयी दिल्ली के भाषा शिक्षा विभाग के प्रो0 लालचंद राम ने 'हिंदी भाषा की वर्तमान चुनौतियाँ' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि भारतीय एकता और अखंडता के लिए हिंदी का व्यवहार आवश्यक है। भूमंडलीकरण ने हिंदी को 'हिंग्लिश' बना दिया है। यह आज के समय की महत्त्वपूर्ण चुनौती है। पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो0 हितेंद्र मिश्र ने 'पूर्वोत्तर में हिंदी भाषा की वर्तमान चुनौतियाँ' विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान दिया। आपने बताया कि हिंदी ज्ञान की भाषा है और हमें वाचिक ज्ञान परम्परा का भी ध्यान रखना होगा। आज के परिवेश में भी हिंदी एक बड़ी भाषा है। यह हमारे लिए गौरव का विषय है। विश्वभारती शान्तिनिकेतन विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के प्रो0 हरिश्चंद्र मिश्र ने कहा कि हिंदी भाषा को हमें आज बौद्धिक ज्ञान के अनुशासन के रूप में विकसित करना होगा। हिंदी चिंतन और सोच की भाषा है। आज के संदर्भ में हिंदी को और भी आगे बढ़ाने की जरूरत है। हिंदी को लेकर आगे बढ़ना अपने भाषिक बोध को और आगे बढ़ाना है। अध्यक्षीय व्यक्तव्य में कुलपति प्रो0 कल्पलता

पाण्डेय ने कहा कि आज का दिन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि आजादी की लडाई में हिंदी भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। हमारी संस्कृति और हमारा चिंतन जिस भाषा में हो, उस भाषा को अवश्य सीखना चाहिए। हमारे देश की राष्ट्रीय चेतना भाषाई चेतना से जुडी हुयी है। अपनी भाषा को बहुत स्वाभिमान और गौरव के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 प्रियंका सिंह ने किया। इस अवसर पर निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा, अंग्रेजी विभाग के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ0 अजय चौबे और विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 अभिषेक मिश्र ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 प्रियंका सिंह ने किया।

दिनांक 16 सितम्बर, 2022 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय–'रोजगार सृजन में हिंदी की प्रासंगिकता' था। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी लेखन कौशल का विकास करना था। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ0 अभिषेक मिश्र, सहायक आचार्य, हिन्दी एवं डॉ0 रूबी, सहायक आचार्य, समाजकार्य थे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्वेता शुक्ला, गृह विज्ञान विभाग, द्वितीय पुरस्कार पवनेश कुमार उपाध्याय, हिंदी विभाग एवं तृतीय पुरस्कार अमरेश कुमार यादव, हिंदी विभाग ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 संदीप यादव एवं डॉ0 प्रवीण नाथ यादव ने किया।

दिनांक 20 सितम्बर, 2022 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कई विभागों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों में भाषण कौशल का विकास संभव हो सकेगा। डॉ0 संदीप यादव, कार्यक्रम संयोजक ने कहा कि ऐसे आयोजन से छात्रों में आत्मविश्वास का विकास संभव होगा और भविष्य में विद्यार्थी बड़े मंच पर भी निःसंकोच अपनी बात कह सकेंगे। ऐसे कार्यक्रमों से विश्वविद्यालय में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 सरिता पाण्डेय, समाजकार्य विभाग से डॉ0 रूबी और डॉ0 प्रेमभूषण यादव रहे। निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों ने भाषण कला की बारीकियों से छात्रों को अवगत कराया। प्रतियोगिता में वैभव कुमार द्विवेदी, राजनीति विज्ञान विभाग ने प्रथम पुरस्कार, सौम्या मिश्रा, हिंदी विभाग ने द्वितीय पुरस्कार एवं तृतीय पुरस्कार प्रवीण कुमार यादव, राजनीति विज्ञान विभाग ने प्राप्त किया। अर्पिता मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 संदीप यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ0 पुष्पा मिश्रा (निदेशक, शैक्षणिक), डॉ0 अजय कुमार चौबे, डॉ0 नीरज सिंह, डॉ0 अभिषेक मिश्र, डॉ0 प्रवीण नाथ यादव, डॉ0 मनोज कुमार आदि प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का विषय–'ग्रामीण सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश' था। इस प्रतियोगिता में कई विभागों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी भाग लिया। ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों के सृजनात्मक कौशल का विकास संभव हो सकेगा। इस तरह के आयोजनों से विश्वविद्यालय में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है और भविष्य में विद्यार्थी इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकते हैं। निर्णायक मंडल में डॉ0 संजीव कुमार, डॉ0

सरिता पाण्डेय, डॉ0 सौम्या तिवारी, डॉ0 संध्या सम्मिलित रहे। निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों ने चित्रकला व रंगोली की बारीकियों से छात्रों को अवगत कराया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार दिशा एवं आस्था सिंह, द्वितीय पुरस्कार कुमकुम एवं तृतीय पुरस्कार स्वाति यादव को मिला। इस अवसर पर डॉ0 पुष्पा मिश्रा (निदेशक, शैक्षणिक), डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अजय कुमार चौबे, डॉ0 नीरज सिंह, डॉ0 अभिषेक मिश्र, डॉ0 संदीप यादव, डॉ0 प्रवीण नाथ यादव, एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

दिनांक 24 सितम्बर, 2022 को वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वाद –विवाद प्रतियोगिता का विषय–'मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा की प्रासंगिकता' था। अनेक विभागों के .विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इन विद्यार्थियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने–अपने मत व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मंडल के सदस्यों ने विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति कौशल के सुधारात्मक पक्षों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 अनुराधा राय ने अभिव्यक्ति कौशल की बारीकियों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ0 शशिभूषण, डॉ0 विजय शंकर पाण्डेय, डॉ0 नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वैभव द्विवेदी, द्वितीय पुरस्कार श्वेता शुक्ला, पवनेश कुमार उपाध्याय को तृतीय पुरस्कार एवं सांत्वना पुरस्कार प्रिया यादव को मिला। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। उपस्थित शिक्षकों में डॉ0 पुष्पा मिश्रा (निदेशक, शैक्षणिक), डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अजय कुमार चौबे, डॉ0 दिलीप कुमार मद्धेशिया, डॉ0 मनोज कुमार, डॉ0 संजीव कुमार, डॉ0 रंजना मल्ल, डॉ0 अभिषेक मिश्र, डॉ0 संदीप यादव, डॉ0 प्रवीण नाथ यादव एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

दिनांक 26 सितम्बर, 2022 को हजारीप्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में काव्य–पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्वेता शुक्ल, द्वितीय पुरस्कार अनीता वर्मा, तृतीय पुरस्कार, गुड़िया पटेल एवं सांत्वना पुरस्कार अंशिका मिश्रा को मिला। इस प्रतियोगिता में डॉ0 प्रवीण नाथ यादव, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग और डॉ0 रामशरण यादव, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग ने निर्णायक की भूमिका निभायी।

दिनांक 30 सितम्बर 2022 को विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में 'भारत में अनुवाद अध्ययन : अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जयंती का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के सभागार में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता' विषयक एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस विषय पर मुख्य अतिथि श्री सुभाष जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज दीनदयाल जी के विचारों को जानने और उन विचारों पर चलने का संकल्प लेने का दिन है। 'भारत की उन्नति के दो आधार, सादा जीवन, उच्च विचार' ही पं0 दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की कुंजी है। एकात्म मानववाद लोक कल्याण का दर्शन है। भोज प्रबंध में कहा गया है कि क्रिया की साधना बिना उपकरणों के भी साहस और धैर्य के बल पर की जाती है। शंकराचार्य ने साहस और धैर्य के बल पर ही भारत के चारों कोनों में दुर्गम स्थानों पर चार पीठों की स्थापना की थी। आचार्य चाणक्य ने साधन के अभावों के बाद भी धैर्य और साहस के बल पर सारे भारत के एकीकरण के अपने संकल्प को पूरा किया था। सनातन में जिसने जन्म लिया है उसका कर्तव्य है कि वह विश्व के कल्याण के लिए काम करे। व्यक्ति शरीर की लम्बाई से नहीं, मन की गहराई से बड़ा होता है। केवल शरीर की चिंता से भोगवाद बढ़ेगा, केवल बुद्धि की चिंता से उल्टे रास्ते पर चलने का खतरा बढ़ेगा और केवल आत्मा की चिंता से अकर्मण्यता बढ़ेगी। व्यक्ति का शरीर विश्व के कल्याण का साधन होना चाहिए। समाज व्यक्तियों का समूह मात्र नहीं है। समाज की एक आत्मा होती है इसलिए हमारे मन के अन्दर व्यष्टिवाद नहीं समष्टिवाद होना चाहिए। हमें अपने 'मैं' को समाज के 'हम' में मिला देना चाहिए। राष्ट्र भी एक जीवमान इकाई है,राष्ट्र केवल मिट्टी का ढेर नहीं है। राष्ट्र में भूमि जन और संस्कृति समाहित हैं। पं0 दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक चिंतन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमें भारत माता के वैभव का स्वप्न देखना चाहिए। अर्थ का अभाव भी बुरा है, अर्थ का प्रभाव भी बुरा है। अर्थ की दिशा त्यागमय भोग की होनी चाहिए। इस त्यागमय भोग की चर्चा उन्होंने रामायण और महाभारत के प्रसंगों से जोड़कर की है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन चार पुरुषार्थो से जुड़ा है। जो कमाएगा सो खिलायेगा, जो कमाएगा वो राष्ट्र को चलाएगा। कबीर के चिंतन को उन्होंने अर्थशास्त्र से जोड़ा और कबीर की पंक्ति उद्धृत करते हुए कहा "साई इतना दीजिये जामे कुटुंब समाय, मै भी भूखा न रहूँ साधु ना भूखा जाय।''

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने

कहा कि हमें पं0 दीनदयाल उपाध्याय के पद चिह्नों पर चलकर भारत का नाम ऊँचा करना है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने सांस्कृतिक संचेतना को राष्ट्र से जोड़ने की बात कही है। हम विश्व को सांस्कृतिक सहिष्णुता सिखला सकते हैं। सांस्कृतिक सहिष्णुता, कर्तव्य, निश्छल एकात्मा का प्रकटीकरण, दूसरों के साथ समाहित होने के कारण ही भारत को 'भारतमाता' कहा जाता है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने अन्त्योदय की बात कही है। जब तक समाज के सबसे निचले व्यक्तियों की उन्नति नहीं हो जाती तब तक भारत उन्नति नहीं कर सकता है। सबको शिक्षा, हर हाथ को काम, हर खेत को पानी ही पं0 दीनदयाल उपाध्याय के अर्थ चिंतन का मुख्य ध्येय है। अंत में कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिज्ञाओं को पूरा करने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम का संचालन पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो0 रामकृष्ण उपाध्याय ने किया। गरीब और दलित बस्तियों के निर्धन बच्चों और उन बच्चों को शिक्षा देने वाली शिक्षिकाओं पूजा, गुड़िया, स्नेहा और बेबी को सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला संघचालक भृगुजी, सह जिला संघचालक डा0 विनोद जी, परमेश्वरनश्री, सह प्रान्त कार्यवाह विनय, सह–विभाग कार्यवाह संजय शुक्ल, विभाग प्रचारक तुलसीराम, चन्द्रशेखर पाण्डेय, शोधपीठ के सह–निदेशक गण डॉ0 रामशरण, डॉ0 अनुराधा राय, डॉ0 मनोज कुमार के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद्, अधिवक्ता परिषद, हिन्दू जागरण मंच, भारतीय जनता पार्टी के साथ विभिन्न संगठनों, समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं मातृशक्तियाँ उपस्थित थीं।

'गांधी वर्तमान संदर्भ में' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

प्रोफ़ेसर कल्पलता पाण्डेय, कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के कुशल मार्गदर्शन और संरक्षण में दिनांक 01 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय सभागार में अंग्रेजी तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'गांधी वर्तमान सन्दर्भ में' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ0 अमित कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ ग्लोबल हिस्ट्री, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने वर्तमान समय के विरोधाभासी विश्व व्यवस्था में गांधी जी के विचारों और गांधी जी के मूल्यों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने जोर दे कर कहा कि गाँधी जी के विषय में प्रायः यह भ्रामक विचार प्रचलित रहा है कि वे आधुनिकता के विरोधी थे, जबकि वास्तविकता यह है कि गांधी जी भौतिकतावादी आधुनिकता के विरोधी थे। आज जहाँ सूचना, संचार के मिथ्याजाल से विश्व जूझ रहा है, आधुनिक तकनीकी युग में 'सत्य' की जगह 'पोस्ट ट्रुथ' की बातें हो रही है, वहाँ गांधी जी का नैतिक, सत्यनिष्ठ, और मानवकेन्द्रित दर्शन आधुनिक जगत को राह दिखा सकता है। गांधी जी का मानना था कि मानव मात्र की जीवनशैली आधुनिक से कहीं आगे नैतिक होनी चाहिए। गांधी जी के इन्हीं विचारों पर चल कर विरोधाभासी सामाजिक, आर्थिक, व्यवस्था के बीच तालमेल बना कर चला जा सकता है।

गांधी जी के आर्थिक, सांस्कृतिक व पर्यावरणीय विचार वर्तमान में भी सर्वथा प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ0 पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव अंगरेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अजय कुमार चौबे तथा कार्यक्रम की संयोजिका समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ0 प्रियंका सिंह रहीं। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि का परिचय डॉ0 विवेक कुमार यादव द्वारा, संचालन डॉ0 स्मिता त्रिपाठी द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अभिषेक त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ0 अजय कुमार चौबे द्वारा संपादित पुस्तक 'गांधी अक्रॉस डीसिप्लिन्स' के आवरण पृष्ठ का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं की आभासी व भौतिक उपस्थिति रही।

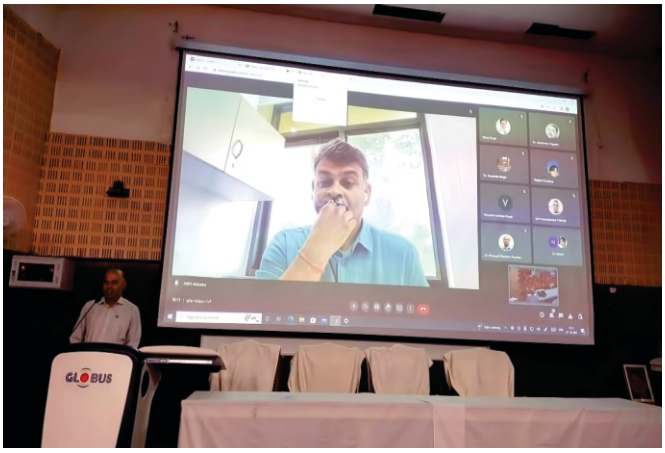

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय महोदया के मार्गदर्शन में दिनांक 1 अक्टूबर, 2022 को अन्तरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 'वरिष्ठ नागरिकों की समस्या : मुद्दे एवं भविष्य की संभावनाएँ' विषयक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 अरविंद कुमार जोशी, समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्विद्यालय व प्रो0 वंदना सिन्हा, प्रोफ़ेसर, समाजकार्य विभाग, काशी विद्यापीठ थीं। प्रो0 अरविंद कुमार जोशी ने जोर देकर कहा कि हमें वृद्ध जनों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देना होगा। समाज कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे वृद्ध जनों के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता, व उनके हित में वकालत जैसी प्रविधियां का प्रयोग कर समाज को जागरूक करें। प्रत्येक वर्ष वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस की एक अलग थीम होती है। अतः इसी क्रम में अर्थात सन 2022 की थीम बदलती दुनिया वृद्ध व्यक्तियों में लचीलापन है। कार्यक्रम में प्रो0 वंदना सिन्हा ने वृद्धजनों की सामाजिक एवं मानसिक समस्याओं का उल्लेख किया व बताया कि वर्तमान में वैश्विक स्तर पर 60 वर्ष और उससे अधिक व आयु वर्ग के लोगों की संख्या 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से अधिक हो गई है। वह अगले 3 दशकों में विश्व में वृद्ध व्यक्तियों की संख्या दोगुनी से अधिक होने का अनुमान है। जो कि 2050 में 1.5 अरब से अधिक लोगों तक पहुंच जाएगी और उनमें 80 प्रतिशत निम्न और मध्यम आयु वाले देशों में रह रहे होंगे। यह ध्यान देने का विषय है। यदि हम भारत की बात करें तो 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में वृद्ध लोगों अर्थात 60 वर्ष के ऊपर के लोगों की जनसंख्या 10.4 करोड़ के ऊपर है, जो कि कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। इन बुजुर्गों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है।

गांधी जयंती पर श्रमदान एवं संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर समाज कार्य विभाग द्वारा आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी अकादमिक परिसर में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 पुष्पा मिश्रा ने की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलपति महोदया एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं समस्त प्राध्यापकों ने मिलकर हजारीप्रसाद द्विवेदी भवन के प्रांगण की साफ–सफाई की साथ ही पौधरोपण का कार्य भी किया। जिसके अंतर्गत कुलपति, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे भी लगाये। पौधरोपण के पश्चात् डॉ0 पुष्पा मिश्रा ने विद्यार्थियों को गांधी जी की स्वच्छता के विचारों को बताया। आपने बताया कि भारत में गांधी जी ने गांव की स्वच्छता के संदर्भ में सार्वजनिक रूप से पहला भाषण 14 फरवरी, 1916 को मिशनरी सम्मेलन के दौरान दिया था। इस सम्मेलन में गांधी जी ने कहा था कि गांव की स्वच्छता के सवाल को बहुत पहले हल कर लिया जाना चाहिये था। गांधी जी ने स्कूली और उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में स्वच्छता को तुरंत शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। गांधीजी ने रेलवे के तीसरे श्रेणी के डिब्बों में बैठकर देशभर में व्यापक दौरे किए थे। वह भारतीय रेलवे के तीसरे श्रेणी

के डिब्बे की गंदगी से स्तब्ध और भयभीत थे। उन्होंने समाचार पत्रों को लिखे अपने पत्रों के माध्यम से इस ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया था। 25 सितंबर, 1917 को लिखे अपने पत्र में उन्होंने लिखा, इस तरह की संकट की स्थिति में तो यात्री परिवहन को बंद कर देना चाहिये। जिस तरह की गंदगी और स्थिति इन डिब्बों में है उसे जारी नहीं रहने दिया जा सकता क्योंकि यह हमारे स्वास्थ्य और नैतिकता को प्रभावित करती है। वर्ष 1920 में गांधीजी ने गुजरात विद्यापीठ की स्थापना की। यह विद्यापीठ आश्रम की जीवन पद्धति पर आधारित था, इसलिये वहाँ

शिक्षकों, छात्रों और अन्य स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को प्रारंभ से ही स्वच्छता के कार्य में लगाया जाता था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में 'समकालीन समय, समाज और गांधी' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 2 अक्टूबर को किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो0 यशवंत सिंह, पूर्व आचार्य, सिटी कालेज, कोलकाता ने वर्तमान राष्ट्रीय– अंतरराष्ट्रीय संदर्भों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए बताया कि युद्ध और कट्टरता के बढ़ते इस दौर में जब हिंसा और घृणा से पूरी मानवता आहत हो रही है तब गांधी के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। जब भी हम समता और समानता की बात करेंगे, मानव मूल्यों की स्थापना का प्रयास करेंगे, गांधी के विचार ही हमारा पथ प्रदर्शन करेंगे। पूँजी और बाजार के वर्चस्व के इस दौर में जब भोग की अति से पूरी वसुधा संत्रस्त हो रही है तब गांधी के रहन– सहन की सादगी ही भविष्य में मानव जीवन एवं पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का एकमात्र रास्ता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि गांधी का सर्वोदय सिद्धांत प्रत्येक मानव के विकास की बात करता है। यही समग्र मानवता के विकास का रास्ता है। हमें अपने जीवन में गांधी एवं शास्त्री के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उनके चरित्र एवं नैतिकता के उच्च मानदंडों को स्वयं आत्मप्रेरित होकर अपनाने की आवश्यकता है। यही भारत वर्ष के विकास का रास्ता है। यही भारत को विश्वगुरु बनाने का रास्ता है। कार्यक्रम का आरंभ राष्ट्रपिता गांधी और शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। अतिथि स्वागत डॉ0 पुष्पा मिश्र, निदेशक, शैक्षणिक , संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 रजनी चौबे ने किया। इस अवसर पर डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अजय चौबे, परिसर के प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण एवं विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

'आर्थिक एवं वित्तीय साक्षरता' पर संकाय संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ,बलिया में एक सप्ताह के 'फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम' (FDP) का उद्घाटन दिनांक 10/10/2022 को हुआ । कार्यक्रम का विषय 'इकोनामिक एण्ड फाईनेंशियल लिटरेसी' था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मणिपुर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आद्या प्रसाद पाण्डेय ने विषय की प्रासंगिकता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में यह बताने की जरुरत है कि धन का ठीक समय पर ठीक उपयोग कैसे करें, सही समय पर धन का सही संयोजन करें। अर्थ का संयोजन और समायोजन सही होना चाहिए। आज के समय में अपनी आवश्यकताओं को निश्चित कीजिए। वित्तीय संयोजन से आपकी आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। जननायक चंद्रशेखर विश्विद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कार्यक्रम के अपने अध्यक्षीय उदबोधन में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के संदर्भ में शिक्षक और शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। एक शिक्षक को विद्यार्थियों के व्यवहार में परिवर्तन लाना होगा। विद्यार्थी के ज्ञान में संज्ञात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक रूप में बदलाव होना चाहिए। अध्यापक की प्रत्येक गतिविधि पर छात्र का ध्यान केन्द्रित होता है, इसलिए अध्यापक को प्रत्येक क्षण आदर्श व्यवहार करना चाहिए। अध्यापक बनना पूर्वजन्म का कर्मफल है, इसलिए अपने ज्ञान को भावी पीढ़ी के निर्माण के लिए लगा देना चाहिए । कुलपति प्रो0 कल्पलता पांडेय ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की गुणवत्ता में परिशोधन पर बल दिया साथ ही संकाय संवर्धन कार्यशाला की उपयोगिता को रेखांकित किया। उन्होंने शिक्षकों में स्पष्टता, आत्मविश्वास, निरंतरता, प्रतिस्पर्धा एवं जवाबदेही को आवश्यक बताया। उन्होंने बताया शिक्षक की महत्त्वपूर्ण भूमिका यह है कि वह अपने छात्र में उस तरह से सोचने की क्षमता विकसित करे, जिस तरह की सोचने की उसकी क्षमता हो ।

कार्यशाला के द्वितीय दिन दिनांक 11/10/2022 को सत्र का प्रारम्भ डॉ0 निशांत कुमार, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यक्तव्य से हुआ। डॉ0 निशांत कुमार ने 'डेरिवेटिव की आधुनिक प्रासंगिकता एवं उपयोगिता' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'डेरिवेटिव' तेजी से धन कमाने का प्रमुख साधन नहीं है। यह वर्तमान में हो रहे वैश्विक बाज़ार में उतार–चढ़ाव के जोखिम से बचने का साधन है । द्वितीय सत्र में सलाले विश्वविद्यालय, फीचे, इथोपिया के प्रो0 मनोज कुमार मिश्र ने वित्तीय जगत में अर्थनीति की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा उन्होंने वित्तीय जगत में पूर्वमान हेतु आवश्यक मॉडल पर महत्त्वपूर्ण चर्चा की। तृतीय सत्र में चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर, डॉ0 गुंजन कुमार ने व्यक्ति विशेष हेतु आर्थिक और वित्तीय साक्षरता क्यों और कितनी प्रासंगिक है, विषय पर विस्तृत चर्चा की।

तृतीय दिवस दिनांक 12/10/2022 को सत्र का प्रारम्भ डॉ0 सुनील त्रिपाठी, वित्तीय सलाहकार दिल्ली के अभिभाषण से हुआ। डॉ0 त्रिपाठी ने निवेश के विभिन्न संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। द्वितीय सत्र में पोर्टफोलियो प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए डॉ0 पवनेश कुमार ने कहा धन का निवेश करते समय अधिकतम लाभ, न्यूनतम जोखिम के आलावा निवेशित धन की मेच्योरिटी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है ताकि धन का सही समय पर सही उपयोग किया जा सके। तृतीय सत्र में वाणिज्य विभाग जननायक विश्वविद्यालय के डॉ0 विजय शंकर पाण्डेय ने 'SIP निवेश' के विभिन्न आयामों पर परिचर्चा की।

चतुर्थ दिवस दिनांक 13/10/2022 को प्रथम सत्र प्रो0 बंशीधर पाण्डेय, वाणिज्य और प्रबंध शास्त्र विभाग, साधु वासवानी

स्वायत्तशासी कॉलेज, भोपाल के उदबोधन से प्रारम्भ हुआ। प्रो0 बंशीधर पाण्डेय ने वैश्विक मानवीय मूल्यों के संवर्द्धन हेतु भारतीय आर्थिक चिंतकों के सिद्धांतों की महत्ता पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में डॉ0 शशि भूषण, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने आय, उपभोग, बचत और निवेश की कार्य प्रणाली को समझाते हुए निवेश निर्णय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। चतुर्थ दिवस के कार्यशाला के तृतीय सत्र में डॉ0 विवेक कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, ने वित्तीय साक्षरता के सम्पूर्ण पहलुओं पर परिचर्चा करते हुए 'कर–साक्षरता' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

पंचम दिवस दिनांक 14/10/2022 का प्रथम सत्र प्रो0 सलिल चंद्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के उदबोधन से प्रारम्भ हुआ। प्रो0 चंद्रा ने निवेश के पूर्व और बाद में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इसे सविस्तार समझाया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ0 शशि भूषण, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने आर्थिक साक्षरता के परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय आय की विभिन्न अवधारणाओं, राजकोषीय और मौद्रिक नीति के उपकरणों पर परिचर्चा की तथा तृतीय सत्र में डॉ0 गुंजन कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने आर्थिक साक्षरता के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अवधारणाओं पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनके प्रश्नों का जबाब दिया।

षष्ठ दिवस दिनांक 15/10/2022 का प्रथम सत्र डॉ0 नीलमणि त्रिपाठी असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के उद्बोधन से प्रारम्भ हुआ । डॉ0 त्रिपाठी ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आय के प्रबंधन पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में प्रो0 के0 के0 अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष और डीन, वाणिज्य संकाय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने डिजिटल वित्तीय साक्षरता पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने मुद्रा, व्यक्तिगत वित्त और निवेश के सन्दर्भ में वित्तीय साक्षरता का महत्व बताया तथा वित्तीय फ्रॉड से बचने के उपायों पर चर्चा की। तृतीय सत्र में डॉ0 देवी प्रसाद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (IGNTU) अमरकंटक, मध्यप्रदेश ने वित्तीय साक्षरता एवं 'NEP 2020' में वित्तीयन हेतु राष्ट्रीय तरकीबों पर प्रकाश डाला।

संकाय संवर्द्धन कार्यशाला 'आर्थिक वित्तीय साक्षरता' का सप्तम दिवस दिनांक 16/10/2022 को सम्पन्न हुआ। अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में प्रो0 राम शर्मा, प्राचार्य, श्री सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया ने 'सम्पोषी विकास और वित्तीय साक्षरता' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया। अंतिम सत्र में कार्यशाला के समापन समारोह की मुख्य अतिथि प्रो0 कल्पलता पाण्डेय, कुलपति जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने अपने सम्बोधन में कहा कि व्यक्ति को आत्मविश्लेषण पर ध्यान देना चाहिए, छिद्रान्वेषण पर नहीं, इसके द्वारा व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का उत्तरोत्तर विकास करता है और किसी भी संस्थान और समाज के विकास में अपना सक्रिय और महत्त्वपूर्ण योगदान देता। प्रो0 पाण्डेय ने कहा ऊर्जा का कोई धर्म नहीं होता अतः सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण कार्यों में ही अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए।

भारतीय समाजकार्य दिवस का आयोजन

11 अक्टूबर पूरे देश में सामाजिक कार्यकर्ताओं व समाज कार्य विभाग द्वारा 'भारतीय समाज कार्य दिवस' के रुप में मनाया जाता है। आज का यह दिवस राष्ट्र ऋषि व भारत रत्न नानाजी देशमुख जी का जन्म दिवस है। जिसे 'भारतीय समाज कार्य दिवस' के रुप में मनाने का संकल्प लिया गया है। अतः आज के इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर समाज कार्य विभाग, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'भारत रत्न नानाजी देशमुख व उनकी ग्राम विकास संकल्पना' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नानाजी देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर, 1916 को व मृत्य 27 फ़रवरी 2010 को हुयी। आपके बचपन का नाम चंडिकादास अमृतराव देशमुख था। आप एक सच्चे भारतीय संत व समाजसेवी थे। सक्रिय राजनीति से संन्यास के पश्चात् आप जीवनपर्यन्त दीनदयाल शोध संस्थान के अन्तर्गत ग्राम विकास व समाज निर्माण के विविध प्रकल्पों के विस्तार हेतु कार्य करते रहे। आपको समाज सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों हेतु पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाले सर्वोच्च नागरिक पुस्कार भारतरत्न से आपको मरणोपरात सन् 2019 में विभूषित किया गया। नानाजी का जन्म महाराष्ट्र राज्य के हिंगोली जिले के कडोली नामक छोटे से कस्बे में हुआ। आपका लंबा और घटनापूर्ण जीवन अभाव और संघर्षों में बीता। आपने अपनी छोटी उम्र में ही अपने माता–पिता को खो दिया। मामा ने आपका लालन–पालन किया। बचपन अभावों में बीता। आपके पास शुल्क देने और पुस्तकें खरीदने तक के लिये पैसे नहीं थे। किन्तु आपके भीतर शिक्षा व ज्ञानप्राप्ति की उत्कट अभिलाषा थी । अतः शिक्षा प्राप्त करने के लिये आपने सब्जी बेचकर धन की व्यवस्था की । आप मन्दिरों में रहे और पिलानी के बिरला इंस्टीट्यूट से उच्च शिक्षा प्राप्त की। सक्रिय राजनीति से संन्यास के पश्चात् आपने अपना पूरा जीवन सामाजिक व रचनात्मक कार्यों में लगा दिया। आप देश के अनेक आश्रमों में रहे और कभी भी अपने स्वयं का प्रचार नहीं किया। आपने दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना की और उसके माध्यम से समाज सेवा की। आपके द्वारा चित्रकूट में चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना हुयी। यह भारत का पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय है और आप इसके पहले कुलाधिपति थे। आपने अपने अकेले दम पर भारत के अति पिछड़े क्षेत्रों में रचनात्मक कार्य के लिये अपने आप को समर्पित किया। आपने गरीबी निरोधक व न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम चलाया, जिसके अन्तर्गत कृषि, कुटीर उद्योग, ग्रामीण स्वास्थ्य और ग्रामीण शिक्षा पर विशेष बल दिया गया। आपने 'मंथन' नाम की एक पत्रिका भी प्रकाशित की । नानाजी द्वारा उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सबसे पिछड़े जिलों गोंडा और बीड में अनगिनत सामाजिक कार्य किये गये। आपके द्वारा चलायी गयी इन परियोजना का उद्देश्य था– 'हर हाथ को काम और हर खेत को पानी'। आज के इस अवसर पर समाज कार्य विभाग द्वारा एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एम. यस. डब्ल्यू. प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और उद्यमिता विकास पर कार्यशाला का आयोजन

20 अक्टूबर–19 नवंबर, 2022, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूरे देश में 'व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और उद्यमिता' को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय उद्यमिता माह' का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ (SESREC) द्वारा शिक्षा महाविद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और प्रायोगिक शिक्षण प्रकोष्ठ (VENTEL) और प्रबंधन संस्थानों में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (REDC) के संस्थागत प्रकोष्ठों का गठन और उनका अनुसरण किया जाना है। इस क्रम में रोजगार योग्यता और सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास (स्किलिंग) के महत्व को MGNCRE द्वारा अनेक शैक्षणिक हस्तक्षेपों, संकाय विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से संकाय सदस्यों में क्षमता निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, देश भर में उच्च शिक्षा संस्थनों के साथ राज्यवार और जिलेवार काम किया जा रहा है। अतः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद व जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के तत्वाधान में दिनांक 02 नवंबर, 2022 को 'व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और उद्यमिता विकास' विषयक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्घाटन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के रिसोर्स पर्सन जे0 साईं0 सुधीर कुमार द्वारा किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों में शिक्षा कौशल, रोजगार, उद्यमिता का विकास रहा। इस कार्यक्रम में बलिया जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान जे0 साईं0 सुधीर कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से अलग–अलग तरह के संस्थानों में तीन तरह के सेल का गठन किया जाएगा और उन सेल के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उद्यमिता और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह प्रकोष्ठ, सामाजिक उद्यमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षा महाविद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और प्रायोगिक शिक्षण प्रकोष्ठ और प्रबंधन संस्थानों में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ के संस्थागत प्रकोष्ठ होंगे। उपरोक्त प्रकोष्ठों के माध्यम से देश में रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि रोजगार योग्यता और सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास (स्किलिंग) का महत्त्व अत्यधिक है। अतः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् अनेक शैक्षणिक हस्तक्षेपों, संकाय विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओ के माध्यम से संकाय सदस्यों में क्षमता निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश भर में उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ राज्यवार और जिलेवार काम कर रहा है। अब जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद साथ मिलकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उद्यमी बनाने के लिए और उनके कौशल विकास के लिए काम करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक संसाधन मौजूद हैं, लेकिन जानकारी व कुशलता के अभाव में लोग उसका उचित उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में उनको प्रशिक्षित करके उद्यमी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ने की। कार्यक्रम में प्रो0 धर्मात्मानंद, डॉ0 जे0 बी0 सिंह, डॉ0 विजयानंद पाठक, प्रो0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यगण सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा के लिए कार्यक्रम

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ,बलिया में छात्र परामर्श प्रकोष्ठ (Mentoring Cell) द्वारा 'जीवन में लक्ष्य निर्धारण और उसकी प्राप्ति' विषय पर विश्वविद्यालय सभागार में दिनांक 17 नवम्बर, 2022, को एक संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी, बलिया ने उक्त विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। आपने कहा कि सभी के जीवन में चुनौतियाँ होती हैं, असल चीज होती है उनका सामना करना। हम सभी इससे कैसे निपटें, इसी पर हमारी सफलता निर्भर है। सपने मत देखिए, लक्ष्य तय करिए। हमें अपनी कमजोरी जरूर पता होनी चाहिए। उस कमजोरी पर हमें कार्य करने की जरुरत होती है। आपको जीवन में जो अच्छा लगे उसे करने की कोशिश करिये। आपको जिस भी परीक्षा की तैयारी करनी है, पहले उसका पाठ्यक्रम देखें और वैज्ञानिक तरीके से उसकी तैयारी शुरू करें। संवाद की अगली कड़ी के रूप में जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, अगर आप लोग पूर्ण विश्वास के साथ तैयारी करें तो सफलता निश्चित मिलेगी। डॉ0 मनोज कुमार, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बंधित भय को दूर करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव एस0एल0 पाल ने की। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अनुराधा राय एवं धन्यवाद ज्ञापन निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर के डॉ0 अजय चौबे, डॉ0 विजय शंकर पाण्डेय ,डॉ0 नीरज कुमार सिंह, डॉ0 रजनी चौबे, डॉ0 अभिषेक मिश्र आदि प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) द्वारा 18–19 नवंबर, 2022 को व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से बलिया जिले की कमजोर वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु बिंदी, कृत्रिम आभूषण, सिंधोरा उत्पादन व मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण करनई, अपायल, भीखपुर, सलेमपुर व जीरा बस्ती की 50 से अधिक महिलाओं को दिया गया। मशरूम उत्पादन के प्रशिक्षक के रूप में आये श्री हरिशंकर वर्मा ने बताया कि मशरूम उत्पादन के माध्यम से महिलायें आर्थिक रुप से सक्षम होंगी। पौष्टिकता से भरपूर सब्जी के रूप में मशरूम का तेजी से विकास हो रहा है। बाजार के अनुरूप मांग को देखते हुए मशरूम की खेती पर भी बहुत अधिक जोर देने की आवश्यकता है। अतः मशरूम की खेती कम भूमि में तथा कम खर्चे में और कम समय अधिक उत्पादन के साथ मुनाफा देने वाली फसल बनती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बाजार में मशरूम की मांग तेजी से बढ़ी है। जिस हिसाब से बाजार में इसकी मांग है, उस हिसाब से अभी इसका उत्पादन नहीं हो रहा है। ऐसे में किसान मशरूम की खेती कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। मशरूम एक पूर्ण स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ है, जो बच्चों से लेकर वृद्धों तक सभी के लिए अनुकूल है। इसमें प्रोटीन, रेशा, विटामिन तथा खनिज लवण प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। ताजे मशरूम में 80–90 प्रतिशत पानी होता है तथा प्रोटीन की मात्रा 12– 35 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 26–82 प्रतिशत एवं रेशा 8–10 प्रतिशत होता है मशरूम में पाया जाने वाला रेशा पाचक होता है। मशरूम शरीर की प्रतिरोधी क्षमता को बढाता है। स्वास्थ्य ठीक रखता है। कैंसर की सम्भावना कम करता है। गाँठ की वृद्धि को रोकता है, रक्त शर्करा को सन्तुलित करता है। मशरूम हृदय के लिए, मधुमेह के रोगियों एवं मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए, कैंसर रोधी प्रभाव रोगों में लाभदायक है।

बिन्दी निर्माण के रूप में प्रशिक्षक के रूप में श्री प्रवीण एवं स्वयं बिन्दी बनाने वाली एक महिला उपस्थित थी। बिन्दी निर्माण प्रशिक्षण में बतलाया गया कि अपने छोटे से घर के एक कमरे में बैठीं चार–पांच महिलाएँ भी बिंदी का निर्माण कर उसे बाजार में बेचने लायक बना सकती हैं। बलिया जिले में ऐसे कई घर हैं जहाँ बिंदी बनाकर महिलाएँ अपने परिवार से गरीबी भगा रही हैं। साल–दो साल पहले तक की बेरंग इनकी जिंदगी में बिंदी के कारोबार ने अब चमक बिखेर दी है। बिंदी का कारोबार पंचायत में

कुटीर उद्योग का रूप ले रहा है। महिलाओं ने कार्यशाला में स्वयं बिन्दी बनाना सीखा। कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति महोदया, प्रो0 कल्पलता पाण्डेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा व अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

द्वितीय दिवस दिनांक 19 नवंबर, 2022 को प्रशिक्षण में जिले की कमजोर वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु मऊर व सिंधोरा उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें करनई, अपायल, भीखपुर, सलेमपुर और जीराबस्ती बस्ती की 50 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। ज्ञात हो कि बलिया जिला मऊर उत्पादन में काफी अग्रणी है। जिले में बनी मऊर की सुन्दरता देखते ही बनती है। अतः शादी के दिनों में जिले में बनी मऊर की बाजार में काफी मांग रहती है। कई बार तो नेगस्वरूप इसकी मनचाही कीमत भी मिलती है। अतः यह महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक अच्छा माध्यम बन चुका है। यह एक सस्ता रोजगार है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं को मऊर बनाना सिखाने के लिए स्थानीय प्रशिक्षक श्री विनोद कुमार यादव व दिनेशलाल यादव को आमंत्रित किया गया था। मऊर निर्माण हेतु प्रशिक्षण सामग्री की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा स्वयं करवायी गयी थी। विश्वविद्यालय के समीप स्थित गाँवों की महिलाओं ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। उनका उत्साह देखते ही बनता था। प्रशिक्षण के दौरान व सबकुछ भूल चुकी थी। महिलाओं ने प्रशिक्षण में काफी रूचि दिखायी व निर्माण कार्य की बारीकियों को सीखा। अनेक महिलाओं ने भविष्य में कार्य प्रारंभ करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में निदेशक, शैक्षणिक, डॉ0 पुष्पा मिश्रा व अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

संविधान दिवस का आयोजन

दिनांक 26 नवंबर 2022, को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर के जयप्रकाश नारायण सभागार में 'भारतः लोकतंत्र की जननी' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति, आदरणीय प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय जी ने की। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति, डॉ0 पृथ्वीश नाग जी तथा मुख्य वक्ता के रूप में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता, प्रो0 अशोक कुमार सिंह जी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ0 मनोज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उसके पश्चात डॉ0 रजनी चौबे ने संक्षिप्त रूप से कार्यक्रम की रूपरेखा सम्मानित अतिथियों के सामने प्रस्तुत की। तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो0 अशोक कुमार सिंह जी ने लोकतंत्र की स्थापना के संदर्भ में वैदिक युग से लेकर वर्तमान समय तक की परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। आपने बताया कि विश्व व्यवस्था में किस प्रकार भारतीय लोकतंत्र एक अनूठे लोकतंत्र के रूप में स्थापित हुआ है और विश्व पटल पर अपनी अनूठी पहचान को प्रदर्शित कर रहा है। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ0 पृथ्वीश नाग जी ने भारत और उसके पड़ोसी देशों की सीमाओं से संबंधित बहुत ही

महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ उपस्थित छात्र–छात्राओं के साथ साझा की। आपने भारत के अन्य सभी पड़ोसी देशों और उनके बीच की सीमाओं से संबंधित छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी समस्याओं के विषय में विस्तार से चर्चा की। तत्पश्चात माननीय कुलपति महोदया जी ने संपूर्ण तथ्यों को समाहित करते हुए अपने व्यक्तव्य में कहा कि भारत का संविधान एक अनूठा संविधान है और इसमें सभी के लिए समान अधिकारों की, खासकर महिलाओं के लिए विशेष अधिकारों की व्यवस्था की गई है। इसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे। आपने अपने व्यक्तव्य में भारतीय संविधान में वर्णित मूल कर्तव्य, मूल अधिकार और संविधान की प्रस्तावना आदि पर विस्तार से चर्चा की। उसके पश्चात उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों तथा छात्र–छात्राओं ने सभागार में भारत के संविधान की प्रस्तावना के अनुपालन की प्रतिज्ञा ली। अंत में राजनीति विज्ञान विज्ञान

विभाग, के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ0 छबिलाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ0 अनुराधा राय के द्वारा किया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस का आयोजन

संयुक्त राष्ट्र संघ के 77 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसका विषय 'संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार एवं भारत का रुख' था। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय के द्वारा किया गया। उन्होंने भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम्' के दर्शन की प्रासंगिकता की चर्चा करते हुए संयुक्त राष्ट्र की अवधारणा को इस पर ही आधारित होने की बात कही। प्रो0 संजय श्रीवास्तव, राजनीति विज्ञान विभाग, बी0एच0यू0 को मुख्य अतिथि के रूप मे आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र विश्व राजनीति में एक छतरी के समान है और विश्व समाज में बदलाव के साथ ही इसमें बदलाव लाया जा सकता है। भारत की सदस्यता की मांग को लेकर अपना समर्थन और कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर अपना विचार केंद्रित किया। उन्होंने सुरक्षा परिषद के साथ–साथ अन्य बाकी अंगों में सुधार के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ0 अनुराधा राय, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग ने किया। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए डॉ0 अनुराधा राय ने संयुक्त राष्ट्र संघ के उदय और उसके उद्देश्य के बारे में बात करते हुए बदलते वैश्विक परिदृश्य में इसमे सुधार की चर्चा की। आपने संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका के बारे में बात की और सुरक्षा परिषद् में भारत की प्रबल दावेदारी की ओर संकेत करते हुए कहा कि भारत की अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में साख है जो उसकी सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए सकारात्मक है। डॉ0 रजनी चौबे ने संघ की स्थापना से लेकर अब तक की सभी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। डॉ0 छबिलाल, सहायक आचार्य ने समस्त महानुभावों और छात्र–छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा, डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अजय कुमार चौबे, डॉ0 मनोज कुमार, प्राध्यापक गण एवं छात्र–छात्राओं सहित कई बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीडा प्रतियोगिता 2022-23 का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीडा प्रतियोगिता 2022–23 का दिनांक 01.11.2022 से 18.11. 2022 तक विभिन्न महाविद्यालयों में आयोजन हुआ। अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीडा प्रतियोगिताओं में मुख्य रूप से एथलेटिक्स, कबड्डी, बैडमिंटन, वॉलीबाल, कुश्ती, फुटबॉल, शतरंज, हैण्डबॉल, राइफल शूटिंग, टारगेटबाल, हॉकी, बास्केटबॉल और खो–खो क्रीडा प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में सबसे पहले शतरंज की अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 01.11. 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। जिसमें बालक वर्ग में 17 महाविद्यालयों की टीम और बालिका वर्ग में 06 महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में विश्वविद्यालय परिसर की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। श्री नरहेजी महाविद्यालय को द्वितीय तथा श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बालक वर्ग में हरिशंकर विधि महाविद्यालय की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। एस0सी0 कॉलेज को द्वितीय तथा श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज और बाबा रामदल सूरजदेव महाविद्यालय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 02.11.2022 को कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन अमरनाथ पी0जी0 कॉलेज, दूबे छपरा में सम्पन्न हुआ जिसमें बालक वर्ग में 22 टीमों और बालिका वर्ग में 12 टीमों ने प्रतिभाग लिया। कुश्ती प्रतियोगिता में श्री नरहेजी महाविद्यालय की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। दूजा देवी महाविद्यालय को द्वितीय तथा श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज और एस0सी0 कॉलेज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 03.12.2022 को फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बाबा रामदल सूरजदेव महाविद्यालय द्वारा कराया गया जिसमें बालक वर्ग में 05 टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें श्री नरहेजी महाविद्यालय विजेता तथा बाबा रामदल सूरजदेव महाविद्यालय उपविजेता रहा। दिनांक 04.11.2022 को राइफल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन श्री बजरंग पी0जी0 कॉलेज, दादर आश्रम में सम्पन्न हुआ। इसमें बालक वर्ग में 07 टीमों और बालिका वर्ग में 04 टीमों ने प्रतिभाग किया। राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में एस0सी0 कॉलेज को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। श्री नरहेजी महाविद्यालय को

द्वितीय तथा श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 05.11.2022 को वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन देवेन्द्र पी0 जी0 कॉलेज, बेल्थरा रोड में हुआ जिसमें बालक वर्ग में 8 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाईनल मैच बाबा रामदल सूरजदेव महाविद्यालय और श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें बाबा रामदल सूरजदेव महाविद्यालय विजेता और श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज उपविजेता रहा।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन श्री नरहेजी महाविद्यालय में 06.11.2022 और 07.11.2022 को सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में 27 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में श्री नरहेजी महाविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, गाँधी महाविद्यालय मिड्ढा, दूसरे स्थान पर और श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहा। दिनांक 09. 11.2022 और 10.12.2022 को कबड्डी की अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन किसान पी0जी0 कॉलेज, रकसा में हुआ जिसमें पुरुष वर्ग में 16 टीमों और महिला वर्ग में 15 टीमों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में श्री नरहेजी महाविद्यालय प्रथम स्थान पर तथा किसान पी0जी0 कॉलेज रकसा दूसरे स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में श्री नरहेजी महाविद्यालय प्रथम स्थान पर और किसान पी0जी0 कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा। दिनांक 11.11.2022 को खो–खो की अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार में हुआ। जिसमें बालिका वर्ग में 07 टीमों और बालक वर्ग में 04 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार विजेता और गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय उपविजेता रहा। बालक वर्ग में दूजा देवी महाविद्यालय सहतवार विजेता और गोपाल जी पी0जी0 कॉलेज उपविजेता रहा। दिनांक 14.11.2022 को बैडमिंटन की अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज में हुआ जिसमें बालिका वर्ग में 12 टीम और बालक वर्ग में 20 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में श्री जमुनाराम पी0जी0 कॉलेज विजेता और हरिशंकर विधि महाविद्यालय उपविजेता रहा। बालक वर्ग में दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार विजेता और गोपाल जी पी0जी0 कॉलेज उपविजेता रहा। दिनांक 15.11.2022 को टारगेटबाल की अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन कुबेर महाविद्यालय, भीमपुरा में हुआ। जिसमें बालिका वर्ग में 03 टीमों और बालक वर्ग में 03 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में कुबेर महाविद्यालय विजेता और श्री जमुनाराम पी0जी0 कॉलेज उपविजेता रहा। बालक वर्ग में श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज विजेता और कुबेर महाविद्यालय उपविजेता रहा।

अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता के अन्तर्गत हैण्डबॉल की अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 16.11. 2022 को सतीश चन्द्र कॉलेज द्वारा कराया गया। बालक वर्ग में 3 टीमों ने भाग लिया। जिसमें सतीश चन्द्र कॉलेज विजेता तथा श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज उपविजेता रहा। दिनांक 17.11.2022 को हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन कुँवर सिंह पी0 जी0 कॉलेज द्वारा वीर लोरिक स्टेडियम, बलिया में कराया गया। जिसमें श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज विजेता तथा कुँवर सिंह पी जी कॉलेज उपविजेता रहा। दिनांक 18.11.2022 को बास्केटबॉल अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कॉलेज द्वारा वीर लोरिक स्टेडियम, बलिया में कराया गया। जिसमें बालिका वर्ग में 02 टीम और बालक वर्ग में 02 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार विजेता और श्री जमुनाराम पी0जी0 कॉलेज उपविजेता रहा। बालक वर्ग में दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार विजेता और हरिशंकर विधि महाविद्यालय उपविजेता रहा।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुल 1201 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें कुल 707 बालक और 494 बालिकाएँ थीं। अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में समग्र चैम्पियनशिप में श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहेजी प्रथम, दूजा देवी महाविद्यालय, द्वितीय एवं श्री मुरजी मनोहर टी0डी0 कॉलेज, तृतीय स्थान पर रहे।

अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'सृजनः 2022-23' का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'सृजन 2022–23' का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में दिनांक 9 नवम्बर, 2022 से 18 नवम्बर, 2022 तक हुआ। प्रतियोगिता में दिनांकः 09.11.2022 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में 'संगीत गायन/वादन एकल/समूह (शास्त्रीय/उपशास्त्रीय)' का आयोजन किया गया। इसके निर्णायक रजनीकांत कुशवाहा थे। प्रतियोगिता में शामिल कुल प्रतिभागियों की संख्या–67 रहीं। उपशास्त्रीय गायन (एकल) में प्रथम पुरस्कार सोनू यादव, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार साक्षी शुक्ला, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया को मिला। तृतीय पुरस्कार आनंद जी वर्मा, अवध बिहारी सिंह महाविद्यालय, करमानपुर बलिया को प्राप्त हुआ। तबला वादन प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों में प्रथम स्थान अनिल कुमार, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया को प्राप्त हुआ एवं द्वितीय सूरज कुमार सिंह, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया को मिला। शास्त्रीय एकल गायन में विजेता प्रतिभागियों में प्रथम उन्नति चौरसिया, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया, द्वितीय आनंद जी वर्मा, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया, तृतीय अमृता पाण्डेय, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया रहीं। समूह गायन प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों में प्रथम अमृता पाण्डेय, समूह जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया को प्रथम पुरस्कार, साक्षी शुक्ला, समूह, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया को द्वितीय पुरस्कार तथा उन्नति श्रीवास्तव, समूह, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

दिनांक 10.11.2022 को श्री कुँवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में 'कोलाज एवं पेंटिंग' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्रीमती नम्रता द्विवेदी एवं सुश्री हनी तिवारी थी। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी शालिनी सिंह, बाँसडीह महाविद्यालय बाँसडीह, बलिया को प्राप्त हुआ। द्वितीय पुरस्कार कुमारी सुरभि, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने प्राप्त किया। तृतीय पुरस्कार कुमारी सुमन बिन्द, गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, नौशीन नाज, बाँसडीह महाविद्यालय बाँसडीह, बलिया ने जीता, द्वितीय पुरस्कार ईशा गुप्ता, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय को प्राप्त हुआ, तृतीय पुरस्कार प्रियंका प्रजापति, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा, बलिया ने प्राप्त किया।

दिनांकः 11.11.2022 को 'नृत्य (एकल/समूह/लोकनृत्य): शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय' प्रतियोगिता शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय कन्या महाविद्यालय, नगवा, बलिया में आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री अजय एवं श्री शुभम गुप्ता थे। इस कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार प्रगति पाठक, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार कृति पाठक, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला, महाविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ। तृतीय पुरस्कार संजीव पाठक, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया ने जीता। उपशास्त्रीय एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सृष्टि गुप्ता, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, बलिया ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार रानी यादव, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला, महाविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ। तृतीय पुरस्कार, मधु गुप्ता, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने जीता। लोकनृत्य एकल प्रतियोगिता में प्रथम विजेता पूजा पाण्डेय, शाहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ एवं द्वितीय पुरस्कार संजीव यादव, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज, बलिया तथा तृतीय पुरस्कार प्रीति वर्मा, बाँसडीह महाविद्यालय बाँसडीह, बलिया ने जीता। सामूहिक शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम विजेता रोशनी खातून ग्रुप, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला, महाविद्यालय, बलिया रहा। उपशास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में विजेता प्रथम पुरस्कार कंचन मिश्रा ग्रुप, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा द्वितीय रिमझिम सिंह ग्रुप, बाँसडीह महाविद्यालय, बाँसडीह, बलिया को प्राप्त हुआ। सामूहिक लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता ग्रुप, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय को प्राप्त हुआ।

दिनांकः 12.11.2022 को 'नाटक/लघुनाटक/प्रहसन/मूक अभिनय' प्रतियोगिता गौरी शंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया में आयोजित की गयी। इसके निर्णायक मण्डल में आशीष त्रिवेदी एवं अरविन्द गुप्ता थे। नाटक प्रतियोगिता में प्रथम विजेता मनीषा सिंह, गौरी शंकर राय कन्या महाविद्यालय करनई, बलिया, द्वितीय स्मिता पाठक, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, बलिया, एवं तृतीय स्थान पर साहिल अहमद, बाँसडीह महाविद्यालय, बाँसडीह, बलिया रहे। लघु नाटक प्रतियोगिता में प्रथम विजेता मनीषा सिंह, गौरी शंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया तथा द्वितीय शगुफ्ता परवीन, हरिशंकर प्रसाद विधि महाविद्यालय, चितबड़ागाँव, बलिया ने प्राप्त किया। प्रहसन प्रतियोगिता में प्रथम विजेता मो0 रहीम खान, जमुना राम मेमोरियल स्कूल, चितबड़ागाँव, बलिया ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार राहुल यादव किसान पी0जी0 कालेज, रक्सा, रतसर, बलिया ने जीता तथा तृतीय पुरस्कार साहिल अहमद, बाँसडीह महाविद्यालय बाँसडीह, बलिया ने प्राप्त किया। मूक अभिनय

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार खुशी सिंह, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, बलिया ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार मो0 रहीम खान, जमुना राम मेमोरियल स्कूल, चितबड़ागाँव, बलिया ने जीता एवं तृतीय पुरस्कार मनीषा सिंह, गौरी शंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया को मिला।

दिनांकः 13.11.2022 को 'वाद—विवाद' प्रतियोगिता सतीश चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में आयोजित की गयी। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ0 गणेश पाठक एवं डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव थे। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मनीषा सिंह, गौरी शंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, बलिया को मिला। द्वितीय पुरस्कार सेजल गुप्ता, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया ने प्राप्त किया तथा तृतीय पुरस्कार अवनीश तिवारी, सतीश चन्द्र कॉलेज, बलिया ने जीता।

दिनांकः 14.11.2022 को 'क्विज' प्रतियोगिता जमुना राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री राजेन्द्र कुमार पाठक, श्री अविनाश कुमार पाण्डेय एवं श्री अमरेश कुमार ओझा थे। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार किसान पी0जी0 कालेज, रकसा, रतसर, बलिया ने जीता। द्वितीय पुरस्कार जमुना राम पी0जी0 कालेज चितबड़ागाँव, बलिया एवं तृतीय पुरस्कार संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरही, बलिया ने प्राप्त किया।

दिनांक 15.11.2022 को 'मौलिक कविता लेखन एवं निबन्ध' प्रतियोगिता किसान पी0जी0 कालेज रक्सा, रतसर, बलिया में आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री बृज मोहन प्रसाद अनारी, श्री राजनारायण यादव एवं श्री राज विजय यादव थे। मौलिक कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजया पाण्डेय ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार कु0 नेहा यादव, जमुना राम पी0जी0 कालेज ,बलिया ने जीता तथा तृतीय सिद्धार्थ गुप्ता, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरही, बलिया ने प्राप्त किया। निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रंजीत कुमार यादव, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, बलिया ने जीता। द्वितीय पुरस्कार शबनम परवीन, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बलिया तथा तृतीय पुरस्कार श्रेया सिंह, किसान पी0जी0 कालेज रक्सा, रतसर, बलिया को प्राप्त हुआ।

दिनांकः 16.11.2022 को 'मौलिक कविता पाठ/मेहंदी' प्रतियोगिता गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ0 शशि प्रेमदेव एवं श्रीमती सरिता गुप्ता जी। मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सिद्धार्थ गुप्ता, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरही, बलिया, द्वितीय कोमल कुमारी, जमुना राम पी0जी0 कालेज बलिया तथा तृतीय अनामिका तिवारी श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बलिया ने जीता। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी अनुराधा, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार संगीता शर्मा, बाँसडीह महाविद्यालय, बाँसडीह, बलिया एवं तृतीय पुरस्कार अर्पिता मिश्रा, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ।

दिनांकः 17.11.2022 को 'पोस्टर एवं कार्टून' प्रतियोगिता' नरहेजी महाविद्यालय नरही, बलिया में आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ0 इफ्तेखार खाँ एवं श्री कमलेश थे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी संध्या गुप्ता, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ। द्वितीय पुरस्कार आकृति शुक्ला, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, बलिया तथा तृतीय पुरस्कार प्रियंका प्रजापति, किसान पी0जी0 कालेज रक्सा, रतसर, बलिया को प्राप्त हुआ। कार्टून प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी रेखा राजभर, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया ने जीता। द्वितीय पुरस्कार दुर्गेश कुमार चौहान, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, बलिया एवं तृतीय पुरस्कार कु0 शालिनी सिंह, किसान पी0जी0 कालेज रक्सा, रतसर, बलिया ने प्राप्त किया।

दिनांकः 18.11.2022 को 'रंगोली एवं आशुभाषण' प्रतियोगिता आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन, विश्वविद्यालय परिसर, बलिया में आयोजित की गयी। इस आशुभाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री अशोक जी पत्रकार एवं श्री शिवजी पाण्डेय 'रसराज' तथा रंगोली प्रतियोगिता में डॉ0 इफ्तिखार खाँ थे। आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सुम्बुल फैजानी, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने जीता। द्वितीय पुरस्कार दिव्यांशी चतुर्वेदी, कुँवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया तथा तृतीय पुरस्कार अनामिका तिवारी, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बलिया ने प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ। द्वितीय पुरस्कार सन्त ग्राम्यांचल पी0जी0 कॉलेज, सुरही बलिया एवं तृतीय पुरस्कार श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बलिया को प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतिवेदन

दिनांक 10 सितम्बर, 2022 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की माननीया कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय जी द्वारा दूबे छपरा, उदई छपरा तथा गोपालपुर के बाढ़ पीड़ितों को उनके विस्थापन स्थल पर जाकर जरूरत की वस्तुएं और खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अमरनाथ मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुबेछपरा तथा शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ0 साहेब दूबे,

प्राचार्य डॉ0 गौरीशंकर द्विवेदी, डॉ0 राजेश्वर एवं कर्मचारीगण तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 संजय मिश्र एवं सम्भ्रान्त गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दिनांक 24 सितम्बर, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के 54वें स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना से सम्बन्धित सभी महाविद्यालयों द्वारा वृहद कार्यक्रमों यथा वाद–विवाद प्रतियोगिता, नाटक, भाषण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेंटिंग इत्यादि का आयोजन किया गया।

दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों, को आयोजन किया गया। दिनांक 10 अक्टूबर, 2022 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के राष्ट्रीय सेवा योजना का प्री0आर0डी0 परेड शिविर सम्पन्न हुआ। जिसका चयन स्थल सतीश चन्द्र महाविद्यालय था। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ के सहायक निदेशक श्री राजेश तिवारी सम्मिलित हुए। सतीश चन्द्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 बैकुण्ठनाथ पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ0 साहेब दूबे तथा प्रतिभागी कॉलेज श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, कुँवर सिंह स्नातकोतर महाविद्यालय, मथुरा पी0जी0 कॉलेज, शहीद मंगल पाण्डेय महिला महाविद्यालय, अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कॉलेज, दूबेछपरा तथा जनपद के अन्य महाविद्यालयों के 50 से अधिक स्वयंसेवक/सेविकाओं ने भाग लिया। जिसमें श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के श्री अमीर हुसैन का प्री0आर0डी0 परेड हेतु चयन किया गया। निर्णायक मण्डल में एन0सी0सी0 अधिकारी डॉ0 रविप्रताप शुक्ल, डॉ0 श्रीपति यादव एवं डॉ0 सुनील कुमार की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। दिनांक 19.10. 2022 को 'स्वच्छ भारत (क्लीन इण्डिया)–2 अभियान' में बजरंग पी0जी0 कॉलेज दादर आश्रम, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, माँ फूला देवी कन्या महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्री नरहेजी महाविद्यालय नरहीं, अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कॉलेज, राधामोहन किसान मजदूर महाविद्यालय, जमुना राम महाविद्यालय द्वारा साफ–सफाई एव रैलियों का आयोजन किया गया। दिनांक 22 अक्टूबर, 2022 को महाविद्यालयों द्वारा 'सड़क सुरक्षा क्लब' का गठन किया गया। दिनांक 31.10.2022 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 'एकता दिवस' के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना से सम्बन्धित महाविद्यालयों में आयोजित की गयी।

दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को पण्डित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें पेंटिंग, क्विज, रंगोली, मेहंदी इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये गये। दिनांक 23 नवम्बर, 2022 को राष्ट्रीय सम्प्रदाय अभियान सप्ताह के अन्तर्गत जागरूकता अभियान निधि संकलन का आयोजन किया गया। दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को संविधान दिवस का आयोजन जहाँ पर राष्ट्रीय सेवा योजना संचालित होती हैं, ऐसे महाविद्यालयों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में नागरिकों के अधिकारों एवं कर्त्तव्यों के बारे में गोष्ठियों के माध्यम से जानकारी दी गयी।

A National Webinar on World Tourism Day (27th September 2022)

Under the able guidance and supervision of Prof. Kalplata Pandey mam, hon'ble vice-chancellor Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, a national webinar on "Rural Tourism : Possibilities and Challenges" was successfully organized by the Department of English, JNCU, Ballia on the occasion of World Tourism Day (27th September 2022).

The key-note speaker of the webinar was Dr. Ratna Shankar Mishra, department of Office Management and Secretary ship, BHU. Dr. Mishra not only talked about tourism and rural tourism but also threw ample light on its various dimensions and how this sector is contributing overwhelmingly in the growth and economy of a country. He also talked extensively about the immense opportunities that this sector generates.

The presidential address was given by Dr. Pushpa Mishra, Academic Director, JNCU, Ballia.

The organizing secretary of the programme was Dr. Ajay K. Chaubey, Head & Associate Professor, Dept of English, JNCU and the convener of this academic event was Dr Dilip Maddheshiya, Assistant Professor, Dept of English, JNCU.

The programme was compered by Dr. Sarita Pandey and Vote of thanks was proposed by Dr Niraj Kumar Singh.

All the faculty members of the various departments of the university were remained present on this occasion.

A National Webinar on Translation Studies in India : Past, Present and Future (30 September 2022)

Under the astute leadership and enthused guidance of Professor Kalplata Pandey, hon'ble Vice Chancellor, Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, a National Webinar on "Translation Studies in India : Past, Present and Future" was successfully organised by the Department of English and the Department of Hindi, JNCU, Ballia, on the occasion of International Translation Day (30 September 2022).

The chief guest and keynote speaker of the webinar was Professor Shrawan Kumar Sharma, Ex-Head, Department of English, and former director, Centre for Canadian Studies, Gurukul, Kangri University, Haridwar, U.K. Prof Sharma shared his thought provoking ideas and insightful views on the said topic. He laid emphasis on the translator's role to become familiar with the height and depth of the

writer's thought process in order to help the readers of the translated texts to relish the RASA of the original. He also underlined the fact that in order to understand translation, one is required to know the meaning and real essence of the original text.

The presidential address was delivered by Dr Pushpa Mishra, academic director, JNCU, Ballia. The organising secretary of the programme was Dr Ajay K. Chaubey, Associate Professor & Head, Department of English, JNCU, Ballia and the convener of this academic event was Dr Sandip Yadav, assistant professor and in-charge, Department of Hindi, JNCU, Ballia.

The programme was compered by Dr Niraj Kumar Singh and vote of thanks was proposed by Dr Sarita Pandey.

All the members of the organizing committee of both the departments as well as the teaching and non-teaching staff of the university including the students of all the disciplines were remained present on this occasion.

Report : International Conference on "Role of Living Legends in Holistic Development of Ballia"

Under the astute leadership and enthused guidance of Professor Kalplata Pandey, hon'ble Vice Chancellor, Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, "Living Legends of Ballia" (a forum of J.N.C.U) organized an International conference on the topic "Role of Living Legends in Holistic Development of Ballia" on 23rd& 24th November 2022.

In the inaugural session, the guest of honor, Prof. Jagadish Shukla, George Mason University, U.S.A shared his views on how the role of university is important in social change. He had proposed an innovative idea of creating a foundation which will govern these types of events for social welfare. The chief guest, hon'ble Shri Harivansh ji, deputy speaker, Rajya Sabha, shared his recollection of historico-cultural heritage of Ballia and literary skill of contemporary writers. He also talked about holistic development of the region through environmental preservation, agriculture, technology and tourism. Hon'ble Vice-Chancellor, Prof Kalplata Pandey said how indebted she feels for this place as she has learnt the first letter of her entire education here only and thus she is whole-heartedly dedicated to the holistic development of the place through working in the fields of education, tourism, culture, history and society. The session was started with lamp lighting and Mangala Charan by department of music. Welcome note was proposed by Dr Ajay Bihari Pathak. The vote of thanks was proposed by Dr Ajay K. Chaubey. The inaugural session was wonderfully

conducted by the convener, Dr Pramod Shankar Pandey.

The first technical session was started with the lecture of Dr. Anand Vardhan Shukla, Pro-VC Mewar University, Rajasthan. He delivered his lecture in the light of historical background of Ballia with special reference to its culture. He talked about eminent personalities like Chandrashekhar ji, Jai Prakash Narayan ji, Mangal Pandey and Chittu Pandey. The next speaker, Dr Ganesh K Pathak, former Academic Director at JNCU, delivered his lecture on cultural heritage and tourism of Ballia. Dr Subhash Yadav, Regional Archaeological officer, Varanasi, shared his knowledge about archaeological heritage of district Ballia. The session was chaired by Prof. Ashok Kumar Singh, Dean, Faculty of Social Sciences, JNCU and he gave his valuable remarks of the session. The vote of

thanks was proposed by Dr Priyanka Singh. The first technical session was successfully compered by Dr Sarita Pandey.

The second technical session was chaired by Dr Saheb Dubey, Dean, Faculty of Commerce, JNCU. It started with the first speaker of the session, Sri Nirbhay Narayan Singh, Additional Divisional Railway Manager and he spoke on infrastructural development such as facilitating clean water resources, health and hygiene, education, employment etc. Prof. R.N. Mishra, Principal, SMMTD College talked about the current infrastructure of Ballia and the future needs. Dr Manoj Prasad, Senior scientist & adjunct professor, department of plant science University of Hyderabad connected virtually and suggested funding opportunities for infrastructure development in educational hubs of Ballia. The cair ended the session with his kind remarks. The vote of thanks was proposed by Dr Niraj K Singh. The session was compered by Dr Anuradha Rai. The first day of conference wrapped up with the cultural programs.

In the third technical session of the conference, Prof. P. Nag, former VC, MGKVP was chairing the session where he discussed wetland mapping and the first lecture was delivered by Prof. Pratibha Pandey, former professor, Dr Hari Singh Gaur Central University, Sagar. She spoke on role of extension education in developing Ballia with the help of university students so that we validate the slogan "veeronkidharti, jawano ka desh, viksitballia, uttar Pradesh". Dr Pratibha Tripathi, Ex Principal, S.C. College, Ballia talked about her statistical study of the present status of elementary, middle and higher education. She highlighted that the issue of insufficient number of teachers against the available vacancy is the major cause of poor condition of education in the state. Dr Anjani Kumar Singh, Principal, Kunwar Singh PG College talked about educational landscape of Ballia. The session took few questions of the audience and experts had given their valuable opinions on the queries. The session was ended with the remarks by the chair, followed by the vote of thanks by Dr Pushpa Mishra. The session was compered by Dr Abhishek Mishra.

The next technical session, session IV was chaired by Dr O.P. Singh, Ex Dean, Faculty of Agriculture, JNCU. Prof. J.P.N. Pandey, Ex Principal, Government Girls Autonomous PG College of Excellence, Sagar, MP, discussed climatic change of Ballia where pollution is disturbing environmental balance that has hindered our normal daily lives. Dr

S.C. Rai, Dean, faculty of fisheries sciences, RPCAU, Pusa delivered his views on the socio-economic development of farmers and fishing community through enhancement of fish production and productivity of water bodies of Ballia. Dr Awnindra Singh, Principal Scientist, Genetics & Plant Breeding, ICAR-IIPR, Kanpur spoke on the current status and future needs for pulses in India. The session was ended with the remarks by the chair. Compering and vote of thanks was proposed by Dr Abhishek Tripathi.

The Panel discussion was chaired by Prof R.K.Chaubey, Faculty of Law, University of Allahabad. It was an awesome brainstorming session on revisiting Ballia and future scope. Prof. Jagdish Shukla, George Mason University, USA suggest the needs to parallelly taking up science and Gandhian philosophy. His friend and fellow traveler, as he says, Prof. John Michael Wallace, University of Washington, USA used to frequently visit Ballia and has been to Ballia 12 times in last 12 years. He seemed perturbed by different types of pollution both in Ballia as well as in the world. He suggested the role of NGO etc. in curbing the issue of pollution.

Smt Archana Ramasundaram, Retd. IPS, Member, Lokpal of India is born in Ballia but educated in Delhi, got job as an IPS officer in Tamil Nadu Cadre and she feels the huge gap between women condition of Ballia with that of her status where women lack in proper education, jobs and security. She said that till Varanasi, development is seemingly visible and apparently looks declining while coming to Ballia from Varanasi. She also discussed role of value education to combat increasing rate of juvenile crimes in India which never existed before. So, she suggested corporate responsibility and women safety measures.

SmtSaumya Agrawal, D.M Ballia told that Ballia is her 4th state as working place and all the places have their peculiar quality. Here she finds contribution of 'community' most powerful tool to be used for its

development. She discussed what developments have been done so far and what are under the pipeline. On 10th December Surahataal will be a picnic spot to encourage tourism and it was all free cost just by community support. Most of the hyacinth has been removed within 2 months from Kathalnaala which ranges approx. 41 km and covers 27 villages just again through local community. By motivating local people, hospital in Ibrahim Patti is restarted. Ballia has stated exporting vegetables and porcelains.

Dr Amit K Mishra, School of Global Affairs, Dr Ambedkar University, Delhi connected virtually and talked about diaspora experiences. He also talked about history and cultural heritage. He showed his deep concern on medical requirements. He also pointed out how to control rate of migration and for this he suggested need of better administrative support, improving infrastructure and welcoming different suggestions. The session was ended with the remarks by the chair, followed by the vote of thanks by Dr B.N. Pandey. The session was brilliantly compered by Dr Vineet Singh.

The Guest of honor of the Valedictory session was Smt Archana Ramasundaram. She suggested that proper documentation of the recommendations given in the conference should be kept and its practical implications should also be practiced. She also showed her concern for having self-help group of women, teacher-student bonding and growing children as wise human beings. The chief guest of the event was Dr Rameshwar Choubey, Senior Nuclear Scientist, Canada. Dr Choubey highlighted JNCU's vital role in the development of Ballia and discussed his views on global exposure of the university. He proposed various tools and techniques like attracting bright students, summer employment, student loans program, counseling, co-op internship program, benefit of co-op education, educating local farmers, organizing annual events, cleanliness, short-term non-credit courses. The session was concluded by the remarks of the chair, hon'ble Vice Chancellor, Prof Kalplata Pandey. The vote of thanks was proposed by the registrar of the University, Sant Lal Pal. The session was efficiently compered by Dr Sarita Pandey.

मीडिया में विश्वविद्यालय

संस्थानों व संसाधनों का विस्तार तरक्की का आधार

दो सत्र में हुई संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञों ने रखी बात, जननायक चंद्रशेखर विवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हआ समापन

मंथन

बलिया, वरिष्ठ संवाददाता। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के 'लिविंग लिजेंड्स ऑफ बलिया' फोरम की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन बलिया में पर्यटन, उच्च शिक्षा समेत विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा हुई। तरक्की के लिए संस्थानों और संस्थानों के विकास पर जोर दिया गया।

गुरुवार को दो सत्रों में आयोजित गोष्ठी में अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने सुझाव दिए, वहीं जिलाधिकारी ने पर्यटन के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए संभावनाओं पर बात रखी।

पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (वाराणसी) के पूर्व कुलपति प्रो. पृथ्वीश नाग ने बलिया के शैक्षणिक परिदृश्य पर बात की। उन्होंने कहा कि यहां का जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है।

इसे देखते हुए उच्च शिक्षा में संस्थानों व संसाधनों को बढ़ाने की जरूरत है। इसी से बलिया का विकास संभव है। इस सत्र में प्रो. प्रतिभा पांडेय, प्रो. प्रतिभा त्रिपाठी व प्रो. अंजनी सिंह ने बलिया के शैक्षणिक परिदृश्य पर अपने विचार रखे और महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

जेएनसीयू में आयोजित कार्यक्रम के समापन के दौरान अतिथिगण (बाएं) और कार्यक्रम में विद्यापीठ के पूर्व प्रो. कुलपति पृथ्वीश नाग को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ।

सब मिलकर तैयार करें विकास का रोडमैप

बलिया। दूसरे सत्र में 'बलिया: एक पुनरावलोकन' विषय पर परिचर्चा हुई। इसकी शुरुआत करते हुए बलिया के लिविंग लिजेंड तथा इलाहाबाद विवि के विधि संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. आरके चौबे ने बलिया के विकास के लिए लिविंग लिजेंड के सदस्य, यहां के संभ्रांत नागरिक, शिक्षाविद तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर एक समिति बनाने का सुझाव दिया, जो बलिया के विकास में महत्वपूर्ण रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन कर सके। इसी से बलिया के लोगों को गरिमा संग जीवन जीने का हक मिल सकेगा। मौसम वैज्ञानिक प्रो. जगदीश शुक्ल ने कहा कि विवि से बलिया की तमाम विभूतियों को जोड़कर इसके विकास की बुनियाद रखी जा सकती है।

समाज की बेहतरी को हो विज्ञान का उपयोग

अमेरिका से ही आए मौसम वैज्ञानिक प्रो. जॉन माइकल वॉलेस ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से बलिया लगातार आ रहा हूं। इस दौरान यह महसूस किया है कि विज्ञान का उपयोग समाज को बेहतर बनाने के लिए किया जाना आवश्यक है। इससे समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

लिविंग लिजेंड के विचारों का होगा क्रियान्वयन

दूसरे सत्र में जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने बलिया के विकास में हो रहे प्रयासों को साझा किया। कहा कि आम लोगों के सहयोग से बलिया के विकास को लगातार सुनिश्चित किया जा रहा है। सुरहा ताल में 10 दिसम्बर से नौकायन शुरू किया जा रहा है। इसी प्रकार यहां की सब्जियों के कई देशों में निर्यात की व्यवस्था भी की गई है। डीएम ने कहा कि लीविंग लिजेंड का निर्देश हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। डॉ. अमित मिश्र ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर बलिया की स्मृतियों को साझा किया।

चंद्रशेखर विवि को उत्तम केन्द्र बनाने पर जोर

बलिया। परिचर्चा में शामिल विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों ने सभागार में मौजूद विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी सुझाया। जननायक चंद्रशेखर विवि की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने कहा कि विवि को शिक्षा का उत्तम केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास हो रहा है। कोशिश है कि यह संस्थान बलिया और प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाये। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। संचालन डॉ. अभिषेक व डॉ. विनीत ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शैक्षणिक निदेशक डॉ पुष्प मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. एससी राय, प्रो. जेपीएन पांडे, प्रो. रविन्द्र नाथ मिश्र, प्रो. साहेब दुबे, प्रो जैनेन्द्र पांडे, प्रो. फूलबदन सिंह, डॉ. प्रमोद शंकर पांडे, डॉ. अजय चौबे, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. शशिभूषण, डॉ. संदीप, डॉ. मनोज कुमार थे।

अपराध पर अंकुश को महिला शिक्षा जरूरी

भारत के लोकपाल की सदस्य पूर्व आईपीएस अर्चना मिश्रा रामसुंदरम ने बलिया से जुड़ी कई स्मृतियों को ताजा किया और कहा कि बेहतर बलिया का निर्माण हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। कहा कि छोटे- छोटे बच्चों में अपराध की प्रवृति का बढ़ना चिंताजनक है। यदि महिला शिक्षा को बढ़ाना है तो अपराध पर अंकुश लगाना होगा।

आजादी की लड़ाई में हिन्दी भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

बलिया।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन प्रशासनिक भवन के सभागार में हुआ। जिसमें सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो.कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि आजादी की लड़ाई में हिंदी भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। हमारी संस्कृति और हमारा चिंतन जिस भाषा में हो उस भाषा को अवश्य सीखना चाहिए । उन्होंने कहा कि हमारे देश की राष्ट्रीय चेतना भाषाई चेतना से जुड़ी हुयी है। अपनी भाषा को बहुत स्वाभिमान और गौरव के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

सम्बोधित करतीं कुलपति।

एनसीईआरटी नई दिल्ली से भाषा शिक्षा विभाग के प्रो.लालचंद राम ने कहा कि भारतीय एकता और अखंडता के लिए हिंदी का व्यवहार आवश्यक है। भूमंडलीकरण ने हिंदी को हिंग्लिश बना दिया है। आज के समय में चुनौतीपूर्ण है। पूर्वोत्तर पर्वतीय केन्द्रीय विश्वविद्यालय,शिलांग मेघालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो .हितेंद्र मिश्र ने कहा कि हिंदी ज्ञान की भाषा है। हमें वाचिक ज्ञान परम्परा का भी ध्यान रखना होगा । विश्वभारती शान्ति निकेतन विश्वविद्यालय,पश्चिम बंगाल के

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस पर हुआ वेबिनार का आयोजन

प्रो.हरिश्चंद्र मिश्र ने कहा कि हिंदी भाषा को हमें आज बौद्धिक ज्ञान के अनुशासन के रूप में विकसित करना होगा । हिंदी चिंतन और सोच की भाषा है।आज के संदर्भ में हिंदी को और भी आगे बढ़ाने की जरुरत है । इस दौरान डा.प्रियंका सिंह, डा.पुष्पा मिश्रा, डा.अजय चौबे, डा. प्रवीण नाथ यादव, डा. संदीप यादव सहित अन्य विभागों के शिक्षक और छात्र उपस्थित रहें । संचालन सहायक आचार्य डा.अभिषेक मिश्र ने किया।

आत्म विश्लेषण से व्यक्तित्व का होता उत्तरोत्तर विकास

सात दिवसीय संकाय संवर्द्धन कार्यशाला में उपस्थित लोग ● जागरण

जागरण संवाददाता, बलिया : जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय संकाय संवर्द्धन कार्यशाला 'आर्थिक वित्तीय साक्षरता' का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन प्रथम सत्र में प्रो. राम शर्मा, प्राचार्य श्रीसुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलिया ने संपोषी विकास और वित्तीय साक्षरता पर व्याख्यान प्रस्तुत कियां। वहीं द्वितीय सत्र में कार्यक्रम के संदर्भ में प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया। मुख्य अतिथि प्रो.कल्पलता पांडेय, कुलपति जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि व्यक्ति को आत्म विश्लेषण पर ध्यान देना चाहिए। डा.प्रियंका सिंह, डा.रमाकांत सिंह, डा.प्रमोद शंकर पांडेय, डा.विजय शंकर पांडेय, डा.नीलमणि त्रिपाठी आदि थे।

जननायक चंद्रशेखर विवि में शिक्षकों का सम्मान

बलिया (जनवार्ता)। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के प्रांगण में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विश्वविद्यालयी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर पुष्प और दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. रूबी ने भजन से की। भजन के बोल थे- हर देश में तू हर वेश में तू , तेरे नाम अनेक।

डॉ. प्रियंका सिंह ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि कुलपति के संरक्षण में इस विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए हम संकल्पित है। अकादमिक निदेशक डॉ.पुष्पा मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार की सर्वोच्च मुखिया के नेतृत्त्व में यह विश्वविद्यालय ज्ञान और निर्माण की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.लल्लन सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि मैं इस विश्वविद्यालय का आजीवन सदस्य के रूप में कार्य करूँगा

और इस विश्वविद्यालय की तरक्की के लिए सतत प्रयत्नशील रहूँगा। डॉ दिलीप श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक दिवस पर हर एक व्यक्ति को शिक्षक मानना चाहिए जिससे हमें जीवन में सीख मिली हो। डॉ. आरपी राघव ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई दी और सभी को अपने कर्तव्यों और अधिकारों की ओर उन्मुख होने के लिए प्रेरित किया। सतीश चन्द्र कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. रामशरण पाण्डेय ने कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की जरुरत है।

सहायक आचार्य विवेक कुमार यादव ने शिक्षक दिवस के सन्दर्भ में अपनी बात संयमित और गंभीरतापूर्वक रखी। अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ.नीरज सिंह ने स्वरचित कविता का वाचन किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी और शिक्षक के गुणों एवं दायित्वबोध पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिक्षकों को कुलपति द्वारा विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजय चौबे ने दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ सरिता पाण्डेय और तृप्ति तिवारी ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अकादमिक और प्रशासनिक संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया सांस्कृतिक सप्ताह समारोह का शुभारंभ

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विवि में कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय की प्रेरणा से सांस्कृतिक समिति द्वारा सांस्कृतिक सप्ताह समारोह का शुभारंभ किया गया। यह 30 सितम्बर तक चलेगा। सांस्कृतिक समारोह-2022 का थीम एक भारत-श्रेष्ठ भारत विविधता में एकता भारत की विशेषता रखा गया है। प्रथम दिन रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें सभी विभागों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के जज की भूमिका में डॉ. अरविंद उपाध्याय रहे। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिनका परिणाम समारोह के समापन दिवस 30 सितम्बर को घोषित किया जाएगा। मौके पर डॉ. प्रेमभूषण, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. प्रियंका, डॉ. नीरज, डॉ. अनुराधा, डॉ. प्रवीण, डॉ. विजय, डॉ. तृप्ति आदि रहे। अध्यक्षता डॉ. पुष्पा तथा संचालन डॉ. सरिता ने किया। विषय प्रस्तुति डॉ. रजनी चौबे ने की।

कमजोरियों से सीखें, जीवन को बनाएं बेहतर, लक्ष्य करेंगे हासिल

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में डीएम सौम्या अग्रवाल ने विद्यार्थियों से किया संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बलिया। जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया। संवाद का विषय 'अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करें और उसे कैसे प्राप्त करें' था।

संवाद का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच इस भावना को जगाना था कि वर्तमान पीढ़ी बहुत ही ऊर्जावान है और वह कुछ भी करने में सक्षम है। विद्यार्थियों ने जिलाधिकारी से उनके छात्र जीवन और प्रशासनिक जीवन के अनुभव को जाना और उनसे प्रेरणा प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफल तभी बना जा सकता है जब हम अपने लक्ष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते है।

जेएनसीयू में विद्यार्थियों से संवाद करतीं डीएम। संवाद

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। कहा कि यदि आप सभी अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं तो उसके लिए अपने लक्ष्य के प्रति हमेशा सकारात्मक सोच रखें। अपने विद्यार्थी जीवन के दौरान उन्होंने इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़कर सिविल सर्विसेज की तैयारी की और प्रथम प्रयास में ही आईएएस ऑफिसर बनीं। कहा कि आईएएस बनने में उनके माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है क्योंकि परिवार का आपके प्रति विश्वास और भरोसा आपको ऊर्जावान बनाता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि हमें अपनी कमजोरियों को भी जानना चाहिए क्योंकि कमजोरियां से ही हम सीखते हैं। अपने जीवन को और बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। बचपन में हमें यह पता नहीं होता है कि हमारा लक्ष्य क्या है? लेकिन जैसे जैसे हम बड़े होते जाते हैं हमें अपनी योग्यता और लक्ष्य के प्रति गंभीर होने लगते हैं।

कहा कि अपने सपने को कभी भी मरने ना दें। उसे हमेशा जीवित बनाए रखें और उसके लिए सतत प्रयास करते रहें और सकारात्मक होकर आगे बढ़ते रहें।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में गांधी जयंती पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

शशिकांत ओझा, ब्यूरो चीफ, दैनिक समाज जागरण

बलिया : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में 'समकालीन समय, समाज और गांधी' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. यशवंत सिंह, पूर्व आचार्य, सिटी कालेज, कोलकाता ने वर्तमान राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय संदर्भों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए बताया कि युद्ध और कट्टरता के बढ़ते इस दौर में जब हिंसा और घृणा से पूरी मानवता आहत हो रही है तब गांधी के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। जब भी हम समता और समानता की बात करेंगे, मानव मूल्यों की स्थापना का प्रयास करेंगे, गांधी के विचार ही हमारा पथ प्रदर्शन करेंगे। पूँजी और बाजार के वर्चस्व के इस दौर में जब भोग की अति से पूरी

वसुधा संत्रस्त हो रही है तब गांधी के रहन-सहन की सादगी ही भविष्य में मानव जीवन एवं पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का एकमात्र रास्ता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि गांधी का सर्वोदय सिद्धांत प्रत्येक मानव के विकास की बात करता है। यही समग्र मानवता के विकास का रास्ता है। हमें अपने जीवन में गांधी शास्त्री के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उनके चरित्र एवं नैतिकता के उच्च मानदंडों को स्वयं आत्मप्रेरित होकर अपनाने की आवश्यकता है। यही भारत वर्ष के विकास का रास्ता है। यही भारत को विश्वगुरु बनाने का रास्ता है। कार्यक्रम का आरंभ राष्ट्रपिता गांधी और शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। अतिथि स्वागत डॉ. पुष्पा मिश्र, निदेशक, शैक्षणिक , संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रजनी चौबे ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. अजय चौबे , परिसर के प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण एवं विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

जब तक प्रत्येक व्यक्ति के हृदय
में राष्ट्रवाद की भावना का विकास
नहीं होगा तब तक देश का सर्वांगीण
विकास नहीं हो
सकता।

– लोकनायक जयप्रकाश नारायण

The Country cannot be developed
Multidimensionally, until evry
person's heart is filled with the
spirit of nationalism.

- Loknayak Jayprakash Naryan

अन्वीक्षण
The Quest

Compiled & Published by:
Jananayak Chandrashekhar University
Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com